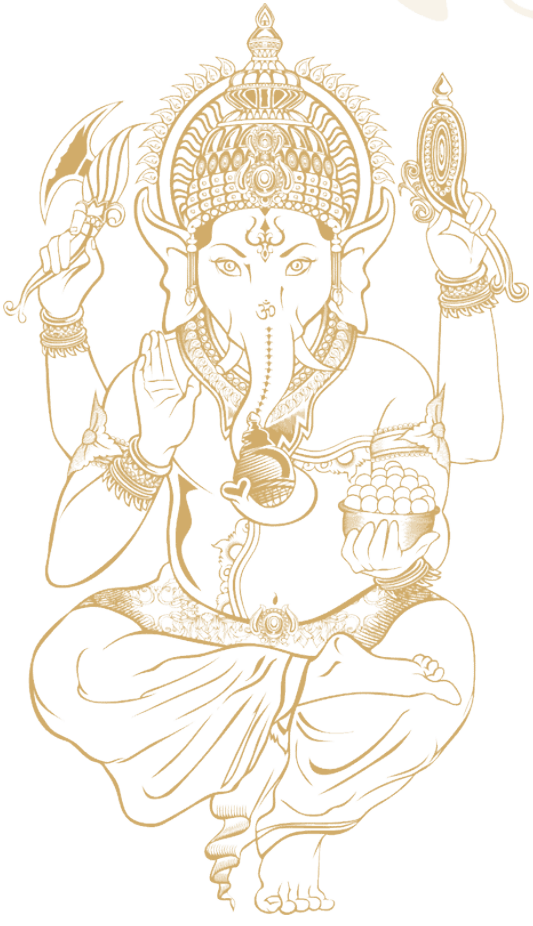

Suraj Sharma

30 May 2003

12:45 PM

Rohtasgarh

Model: web-freekundliweb

Order No: 121123603

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**30/05/2003**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**12:45:54 घंटे**
इष्ट	19:10:22 घटी
स्थान	**Rohtasgarh**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	24:36:00 उत्तर
रेखांश	83:59:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:05:56 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	12:51:50 घंटे
वेलान्तर	00:02:34 घंटे
साम्पातिक काल	05:21:25 घंटे
सूर्योदय	05:05:45 घंटे
सूर्यास्त	18:37:31 घंटे
दिनमान	13:31:46 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	14:35:17 वृष
लग्न के अंश	27:19:53 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**वृष - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**कृतिका - 3**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	अतिगण्ड
करण	चतुष्पाद
गण	राक्षस
योनि	मेष
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	गरूड़
युँजा	पूर्व
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	उ-उपासना
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मिथुन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	27:19:53	327:37:16	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	सूर्य	---
सूर्य			वृष	14:35:17	00:57:34	रोहिणी	2	4	शुक्र	चंद्र	गुरु	शत्रु राशि
चंद्र			वृष	04:58:53	11:51:48	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	मूलत्रिकोण
मंगल			मक	27:43:15	00:30:40	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	गुरु	उच्च राशि
बुध			मेष	20:53:49	00:42:47	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	गुरु	सम राशि
गुरु			कर्क	18:37:40	00:08:45	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	केतु	उच्च राशि
शुक्र			मेष	22:54:37	01:12:56	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	शनि	सम राशि
शनि			मिथु	05:30:07	00:07:28	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	सूर्य	मित्र राशि
राहु			वृष	05:36:30	00:00:02	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	बुध	मित्र राशि
केतु			वृश्चि	05:36:30	00:00:02	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	बुध	मित्र राशि
हर्ष			कुंभ	08:53:38	00:00:24	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	गुरु	---
नेप	व		मक	19:13:52	00:00:27	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	---
प्लूटो	व		वृश्चि	24:59:00	00:01:34	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	राहु	---
दशम भाव			वृष	27:14:03	--	मृगशिरा	--	5	शुक्र	मंगल	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:54:01

लग्न-चलित

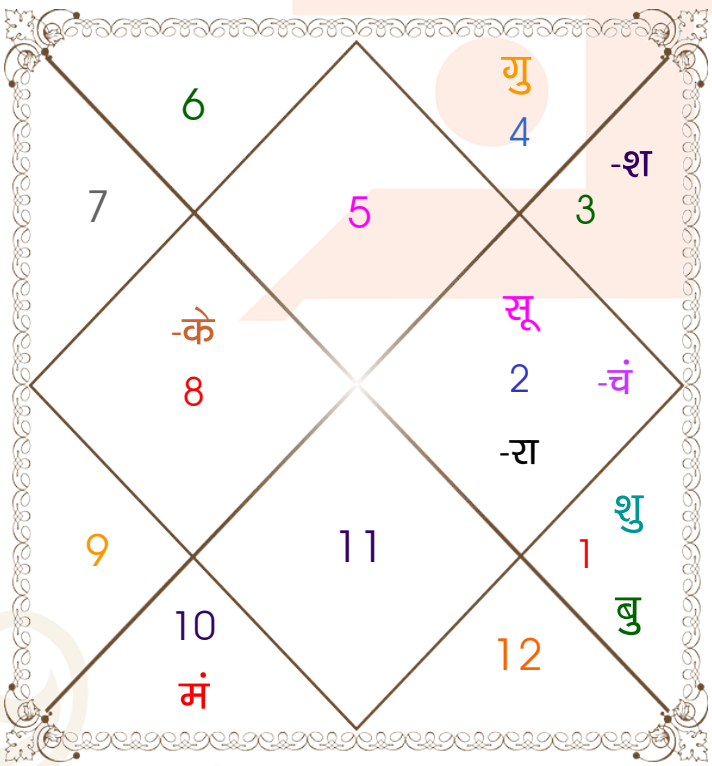

चन्द्र कुंडली

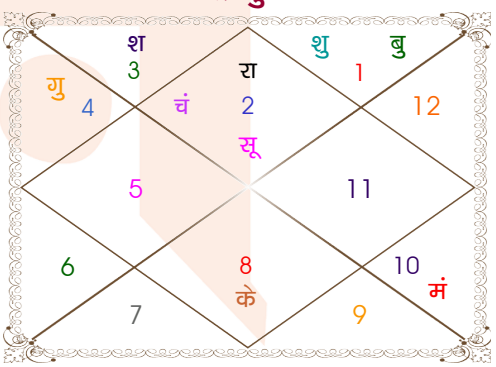

नवमांश कुंडली

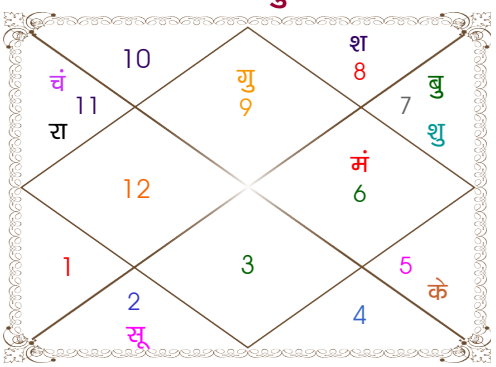

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 2 वर्ष 3 मास 3 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
30/05/2003		01/09/2005		01/09/2015		01/09/2022		01/09/2040	
01/09/2005		01/09/2015		01/09/2022		01/09/2040		01/09/2056	
	00/00/0000	चंद्र	02/07/2006	मंगल	29/01/2016	राहु	14/05/2025	गुरु	20/10/2042
	00/00/0000	मंगल	31/01/2007	राहु	15/02/2017	गुरु	08/10/2027	शनि	02/05/2045
	00/00/0000	राहु	01/08/2008	गुरु	22/01/2018	शनि	14/08/2030	बुध	08/08/2047
	00/00/0000	गुरु	01/12/2009	शनि	03/03/2019	बुध	02/03/2033	केतु	14/07/2048
	30/05/2003	शनि	03/07/2011	बुध	28/02/2020	केतु	21/03/2034	शुक्र	15/03/2051
शनि	20/06/2003	बुध	01/12/2012	केतु	26/07/2020	शुक्र	21/03/2037	सूर्य	01/01/2052
बुध	26/04/2004	केतु	02/07/2013	शुक्र	25/09/2021	सूर्य	12/02/2038	चंद्र	02/05/2053
केतु	01/09/2004	शुक्र	03/03/2015	सूर्य	31/01/2022	चंद्र	14/08/2039	मंगल	08/04/2054
शुक्र	01/09/2005	सूर्य	01/09/2015	चंद्र	01/09/2022	मंगल	01/09/2040	राहु	01/09/2056

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
01/09/2056		01/09/2075		01/09/2092		01/09/2099		02/09/2119	
01/09/2075		01/09/2092		01/09/2099		02/09/2119		00/00/0000	
शनि	04/09/2059	बुध	28/01/2078	केतु	28/01/2093	शुक्र	02/01/2103	सूर्य	21/12/2119
बुध	15/05/2062	केतु	25/01/2079	शुक्र	30/03/2094	सूर्य	02/01/2104	चंद्र	21/06/2120
केतु	23/06/2063	शुक्र	25/11/2081	सूर्य	05/08/2094	चंद्र	02/09/2105	मंगल	26/10/2120
शुक्र	23/08/2066	सूर्य	02/10/2082	चंद्र	06/03/2095	मंगल	02/11/2106	राहु	20/09/2121
सूर्य	05/08/2067	चंद्र	02/03/2084	मंगल	02/08/2095	राहु	02/11/2109	गुरु	09/07/2122
चंद्र	05/03/2069	मंगल	27/02/2085	राहु	19/08/2096	गुरु	03/07/2112	शनि	31/05/2123
मंगल	14/04/2070	राहु	17/09/2087	गुरु	26/07/2097	शनि	02/09/2115		00/00/0000
राहु	18/02/2073	गुरु	23/12/2089	शनि	04/09/2098	बुध	03/07/2118		00/00/0000
गुरु	01/09/2075	शनि	01/09/2092	बुध	01/09/2099	केतु	02/09/2119		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 2 वर्ष 3 मा 1 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तरा फाल्गुनी नक्षत्र के प्रथम चरण में सिंह लग्न में हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर धनु राशि का नवमांश एवं मेष राशीय द्रेष्काण का भी उदय काल था। सिंह राशीय लग्नाकृति स्वरूप से यह स्पष्ट दृश्य हो रहा है कि आपको स्वच्छंदता पूर्वक आनंदप्रद प्रसन्नचित उत्तम जीवन व्यतीत करने का सुअवसर प्राप्त होगा।

आप शारीरिक रूप से हृष्ट, पुष्ट, मजबूत, मधुर भाषी होंगी। जिसके प्रभाव से सभी लोग आपको बहुत पसन्द करेंगे तथा आपसे संबंधित रहेंगे। आप अपने से संबंधित व्यक्तियों से लाभांवित रहेंगी। आपकी आखें विपरीत योनि के व्यक्तियों के दर्शन हेतु ललायित रहेगी। पुरुष सौन्दर्य आपको रूचिकर लगेगा। आप अपने पति को प्यार नहीं करेंगी। परन्तु अनुकूल अवसर प्राप्त कर इसे अच्छा मौका समझ कर अन्य को अपने विचारों में ग्रहण कर लेंगी।

आपका पारिवारिक जीवन निश्चित रूप से उत्तम रहेगा। आपके निकटतम सम्पर्क एवं प्रिय जन अर्थात् सगे संबंधी लोग न केवल आपके प्रति श्रद्धावान रहेंगे बल्कि आपकी प्रसन्नता एवं सन्तुष्टि हेतु पूर्ण समर्पित रहेंगे। फलस्वरूप आप अतिरिक्त समय निकालकर निश्चित रूपेण इन लोगों से मिलने का प्रयास करेंगी।

आप अपने ढंग से अपना जीवन निर्वाह करेंगी। आप अपने अभ्युदय एवं उत्तम लाभ हेतु अपने ज्ञान का विकास कर सकती हैं। आपके लिए उपयुक्त कार्य व्यवसाय हेतु प्रशासनिक सेवा सम्पादन कारिता, संचार माध्यम एवं शैक्षणिक कार्य व्यवसाय उत्तम प्रतीत होता है। लेकिन आपके लिए सर्वथा चमत्कारिक व्यवसाय वाणिज्य कार्य, लेखाकार्य अथवा अभियांत्रिकी कार्य उत्तम रहेगा।

आप जन्म प्रभाव से ही आदेश का सम्मान करेंगी। आपके अधीनस्थ सहायक आपके प्रति श्रद्धावान रह कर आपकी प्रशंसा करेंगे तथा आपके निर्देशन के अनुसार वे आपको देखेंगे।

कठिन श्रमयुक्त आपकी महत्वकांक्षा यदा-कदा कृतघ्नता युक्त हो जाती है तो आप अपने उद्देश्य की प्राप्ति हेतु अपनी गति में तीव्रता लाती हैं। आप सदैव अपने कार्य की पूर्णाहुति हेतु तत्पर रहती हैं तथा सम्पादित कार्य को पूर्ति लेने के साथ-साथ अन्य कार्य के प्रारम्भ करने की प्रक्रिया पूरी कर लेंगी। आपमें आश्चर्यजनक पर्यवेक्षण की प्रतिच्छाया विद्यमान रहती है। परिणामस्वरूप आप अपनी प्रशासनिक सीढ़ी के सहारे अपने कार्यस्थल पर सफलता की ओर अग्रसर हो सकती हैं।

आप स्वाभाविक रूप से धनोपार्जन करेंगी परन्तु इस धन की सुरक्षा किस प्रकार की जाय तथा किस प्रकार सुरक्षित रखा जाय, यह बिंदु विचारणीय है। क्योंकि आप मात्र उदार हृदय की ही नहीं है बल्कि आप आनन्द पूर्ण सुअवसर पर सम्पूर्ण खर्च का भार अपने ऊपर ले लेती हो तथा सदैव अपने लिए तथा अपने परिवार के लिए व्यय करेंगी। आप सदैव ही

जनसाधारण के मध्य अपनी छवि को प्रदर्शित करने के लिए सजग रहेंगी। आप अपने आवासीय रख-रखाव एवं आधुनिक साज शय्या को अपने यहां आगंतुकों की दृष्टि में प्रभावशाली प्रस्तुती हेतु सजग रहेंगी। ताकि आपका प्रभाव उत्तम दृश्य हो।

आपका स्वास्थ्य आवश्यकता के अनुरूप जैसा चाहिए वैसा नहीं रहेगा। लेकिन आपकी बहुमुखी कार्यकलाप के कारण संभव है कि आपका शरीरिक ह्रास हो जाय तथा आप पीठ के रोग, पाचन क्रिया की गड़बड़ी, एवं रक्तचाप संबंधी रोग से आक्रांत हो जाएं। अतः आप सीमा के अन्तर्गत ही सभी कार्य सम्पादन करें तथा सन्तोषजनक विश्राम ग्रहण करें। आप स्वयं चटपटी और मसालेदार भोजन एवं मध्यपान का परित्याग कर दें।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक अनुकूल एवं प्रभावशाली है। परन्तु अंक 2, 7 एवं 8 अंक आपके हित अनुपयुक्त है।

आपके लिए भाग्यवर्द्धक रंग नारंगी, लाल एवं हरा रंग है। परन्तु रंग नीला, काला एवं सफेद रंग आपके लिए त्याज्य है।